

## ठेले पर हिमालय

### प्रश्न-1 कोसी से कौसानी के बीच लेखक को किन दृश्यों ने आकर्षित किया?

उत्तर- लेखक अपने मित्रों के साथ हिमालय की बर्फ को निकट से देखने के लिए जा रहा था। रास्ते में सुडौल पत्थरों पर बहती हुई कोसी नदी, छोटे-छोटे गाँव, हरे मखमली खेत और सोमेश्वर घाटी की सुंदरता ने लेखक को आकर्षित कर दिया।

### प्रश्न-2 लेखक को ऐसा क्यों लगा कि वे किसी दूसरे ही लोक में चले आए हैं?

कौसानी पहुँचकर लेखक जब बस से उतरा तब उसके सामने कत्यूर की रंग-बिरंगी घाटी थी। उस घाटी में मखमली कालीनों जैसे खेत, सुंदर गेरु की शिलाएँ, लाल-लाल रास्ते, बेलों की लड़ियों सी नदियों को देखकर अचंभित रह गया। उस घाटी की सुंदरता को देखकर उसे ऐसा लगा जैसे वे किसी दूसरे लोक अर्थात् भगवान के घर (स्वर्ग) में चले आए हों।

### प्रश्न-3 सबसे पहले बरफ़ दिखाई देने का वर्णन लेखक ने कैसे किया?

उत्तर- कत्यूर घाटी की सुंदरता को देखते-देखते लेखक की निगाह एक स्थान पर आकर रुकी। उसने देखा कि एक बादल के धीरे-धीरे खिसकने के कारण एक अजीब रंग की चीज दिखाई दे रही है। जिसका आकार स्पष्ट नहीं था। लेखक ने सोचा कहीं वह हिमालय तो नहीं है और ध्यान से देखने पर लेखक को बादल के पीछे छिपा हिमालय और बर्फ़ दिखाई दी जिसे देखकर सभी खुश हो गए।

### प्रश्न-4 लेखक को ठेले पर हिमालय शीर्षक कैसे सूझा?

एक दिन लेखक अपने अल्मोड़ा वासी मित्र के साथ पान की दुकान के सामने खड़े थे। तभी उसने ठेले पर बरफ़ लादे हुए बरफवाले को देखा। ठंडी चिकनी चमकती हुई बरफ़ से भाप उड़ रही थी। उस बर्फ़ को देखकर तत्काल लेखक के दिमाग में शीर्षक आया ठेले पर हिमालय।

### प्रश्न-5 सूरज के डूबते ही सब गुमसुम क्यों हो गए ?

लेखक और उसके मित्र डाक बँगले के बरामदे में बैठकर शिखरों की हिम रेखाएँ देख रहे थे। धीरे-धीरे सूर्य अस्त हो रहा था और हिमालय की केसरी सुंदरता लुप्त होने लगी जिसके कारण लेखक और उसके मित्र उदासी से भर गए। वे चुप-चाप रहकर उसकी सुंदरता के बारे में सोचने लगे।

### प्रश्न-6 (क) लेखक ने यह क्यों कहा कि-

क) लगा जैसे ठगे गए हम लोग।

जब लेखक और उनके मित्र कौसानी के बस अड्डे पर उतरे, तब वहाँ उन्हें कोई बर्फ़ नहीं दिखाई दी। वह एक छोटा सा उजड़ा हुआ गाँव था। वे लोग वहाँ बर्फ़ देखने के लिए ही गए। इसलिए उन्हें लगा जैसे उन्हें किसी ने ठग लिया हो।

ख) कलाई में लपेट लूं आंखों से लगा लूं।

कौसानी में कत्यूर की घाटी की सुंदरता को देखकर लेखक अचंभित रह गया। उसे लगा जैसे वह देवताओं की धरती पर आ गया हो वहाँ की बेलों की लड़ियों को देखकर उसका मन उसे कलाई में लपेटने और आंखों से लगाने का किया।

\*\*\*\*\*